मौखिक कृमिनाशक

- **प्रस्तावना**
- **कृमिनाशक (एंटेलमिंटिक्स)**
- **सामान्य दुष्प्रभाव और सावधानियाँ**
- **सामान्य सलाह**
- **अपने डॉक्टर के साथ संवाद**
- **कृमिनाशकों का भंडारण**

प्रस्तावना

एंटेलमिंटिक्स (कृमिनाशक) मानव शरीर से परजीवी कृमियों को मिटाने के लिए उपयोग की जाने वाली दवायें हैं। हेल्मिनथ संक्रमण सबसे आम संक्रमणों में से एक है, जो दुनिया की आबादी के बड़े हिस्से, खासकर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों को प्रभावित करता है। विकासशील देशों में वे लोगों के स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करते हैं, और कुपोषण, रक्त की कमी, इओसिनोफिलिया (श्वेत रक्त कोशिका का स्तर सामान्य से अधिक) और निमोनिया के कारण होते हैं। मनुष्य में संक्रमण पैदा करने वाले कृमियों में आम तौर पर गोल-कृमि, फीताकृमि और पर्णकृमि शामिल हैं।

1. गोलकृमि:
गोलकृमि वे कीड़े हैं जो मानव के पाचन तंत्र, खासकर छोटी आंत को संक्रमित कर सकते हैं। वे परजीवी हैं और जिन्दा रहने, खाने और प्रजनन के लिए इंसान के शरीर का उपयोग करते हैं। वे मानव की छोटी आंत में रहते हैं और उनके अंडे मल के साथ बाहर निकल जाते हैं। संक्रमण उनके अंडे से दूषित भोजन या पानी के अंतर्ग्रहण के जरिये फैलता है। दूषित स्त्रोत जैसे गंदे हाथ, मक्खियाँ और अन्य कीड़े भी फैलाने वाले साधन हो सकते हैं। आम तौर पर गोलकृमि संक्रमण में देखे जाने वाले लक्षण मतली, पेट में दर्द, रूक-रूककर दस्त और गुदा के आसपास खुजली होना है।

ज्यादातर लोगों में, गोलकृमि कोई भी ध्यान देने योग्य लक्षण पैदा नहीं करते। लोग आमतौर पर अपने डॉक्टर के पास इसलिए जाते हैं क्योंकि उन्होंने अपने मल में एक कीड़ा देख लिया है।

2. फीताकृमि:
फीताकृमि संक्रमण उनके अंडों या लार्वा (छोटे अपरिपक्व कीड़े) से दूषित हुए भोजन या पानी का सेवन करने से होता है। यदि आपने फीताकृमि लार्वा निगला, वे आपकी आँतों में परिपक्व फीताकृमि (आँतों के संक्रमण) के रूप में विकसित होते हैं। आँतों के फीताकृमि संक्रमण आमतौर पर हल्के होते हैं, आम लक्षण मतली और कमजोरी हैं।

फीताकृमि संक्रमण वाले कुछ लोगों को उपचार की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि फीताकृमि अपने आप

ही शरीर से बाहर निकल जाता है। जब तक आप खुद अपने मल में कृमि के खंडों को नहीं देख लेते, तब तक आपको पता नहीं चलता कि आपको फीताकृमि का संक्रमण है।

3. पर्णकृमि:
पर्णकृमि संक्रमण की 4 श्रेणियाँ हैं जो मनुष्य में रोगजनक हैं: रक्त, आँतों, यकृत और फेफड़े के संक्रमण। आप ज्यादातर खुले पानी में तैरने या नहाने से, जिसमें पर्णकृमि कीड़े होते हैं, संक्रमित हो जाते हैं। लक्षण अक्सर सिर्फ गंभीर संक्रमण में देखे जाते हैं और आमतौर पर बुखार, दर्द और इयोस्नोफिलिया शामिल होते हैं।

कृमिनाशक (एंथेलमिंटिक्स)

हांगकांग में पंजीकृत कृमिनाशक मुँह से ली जाने वाली खुराक के रूप में उपलब्ध हैं जैसे कि गोलियाँ। यदि आपमें कोई लक्षण हैं और कीड़ों से संक्रमित होने का संदेह है, तो आपको कोई भी दवाई लेने से पहले डॉक्टर का परामर्श लेने की सलाह दी जाती है। आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले मेबेंडाजोल और इसके समरूप फ्लुबेंडाजोल**,** प्राजिकेंटल और पाइरेंटेल हैं। अन्य जैसे लेवमिसोल और पाइरविनियम का उपयोग पहले किया गया है।

मेबेंडाजोल, फ्लुबेंडाजोल और पाइरेंटेल को गोलकृमि संक्रमण के लिए निर्दिष्ट किया जाता है। ग्लूकोज के उपयोग से गोलकृमि को रोककर मेबेंडाजोल और फ्लुबेंडाजोल काम करते हैं और इसके बिना, गोलकृमि की कोशिकायें अपनी ऊर्जा की आपूर्ति खो देती हैं और जल्दी मर जाती हैं। जबकि, पाइरेंटेल कृमि को अपाहिज बनाकर और आंत्र की दीवार पर इसकी "पकड़ को कमजोर" बना कर काम करता है और प्राकृतिक तरीके से इसे तंत्र से बाहर कर देता है।

प्राजीक्वान्टेल को फीताकृमि और पर्णकृमि संक्रमण दोनों के लिए निर्दिष्ट किया जाता है। यह कृमि की मांसपेशियों की गंभीर ऐंठन और पक्षाघात का कारण बनकर काम करता है।

सामान्य दुष्प्रभाव और सावधानियाँ

कृमिनाशक	सामान्य दुष्प्रभाव	सावधानियाँ

1. मेबेंडाजोल / फ्लुबेंडाजोल	• पेट में दर्द • डायरिया • सिरदर्द • सिर चकराना	• उच्च खुराक दिए गये रोगियों के ब्लड-काउंट्स और यकृत प्रणाली की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए • यकृत की खराबी वाले लोगों में उच्च खुराक वाला उपचार अनुपयुक्त हो सकता है
2. प्राजीक्वान्टेल	• सिरदर्द • डायरिया • सिर चकराना • उनींदापन • बैचेनी • पेट में गड़बड़ • जी मिचलाना • उल्टी	• नेत्र-सम्बंधी या रीढ़ सम्बंधी सिस्टिसर्कोसिस (लार्वा रूपों में फीताकृमि के साथ ऊतक संक्रमण) के रोगियों के लिए उपयोग नहीं किया जाना चाहिए • मरीजों को आगाह किया जाना चाहिए कि प्राजीक्वान्टेल से चक्कर या उनींदापन हो सकता है और यदि प्रभावित हों तो उन्हें उपचार के बाद 24 घंटे के लिए न तो गाड़ी चलानी चाहिए और न ही मशीनरी
3. पाइरेंटेल	• जी मिचलाना और उल्टी • स्वादहीनता • पेट में दर्द • डायरिया	• यकृत की खराबी वाले रोगियों में सावधानी के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए • चक्कर आना या उनींदापन पाया गया है। प्रभावित होने पर गाड़ी या मशीनरी न चलायें।

सामान्य सलाह

- अगर आप संक्रमित हैं, तो निर्देश के अनुसार ही दवाईयाँ लें। इसे ज्यादा न लें और जितना आपके डॉक्टर ने बताया है, उससे ज्यादा बार न लें।
- अपने संक्रमण को साफ़ करने में मदद करने के लिए, निर्देश के अनुसार उपचार का पूरा कोर्स पूर्ण करें।
- संक्रमण की पुनरावृति को रोकने के लिए:
    - नितम्बों के आसपास के भाग को खुरचने से बचें।
    - पूरे दिन, खासकर खाने से पहले और टॉयलेट का इस्तेमाल करने के बाद बार-बार हाथों और नाखूनों को साबुन से धोएँ।
    - दिन और रात दोनों वक्त तंग जांघिया पहनना। उन्हें रोज़ाना बदलें।
    - इलाज के बाद कई दिनों तक बेडरूम के फर्श को वैक्यूम करें या गीले पोंछे से साफ़ करें। सूखे झाड़ू से बचें इससे धूल उड़ सकती है।
    - टॉयलेट सीट को साफ़ रखें।
    - उपचार के बाद सभी बिछौनों और पजामों को धोएँ (झाड़े नहीं)।
- सूअर का माँस, पशु-माँस और मछली जैसे कच्चे या अधपके माँस खाने से बचें।
- यात्रा करते समय, बोतलबंद पानी का उपयोग करें और कच्ची सब्जियों से बचें जब तक कि आप उन्हें खुद छील और धो नहीं सकते।

अपने डॉक्टर से संवाद करें

- सर्वोत्तम उपचार के विकल्प के लिए अपने डॉक्टर से बात करें। आपका डॉक्टर आपकी स्थिति और दवाई के प्रति आपकी प्रतिक्रिया को देखने के बाद आपके लिए सबसे उपयुक्त दवाई लिख देगा।
- अगर आपके लक्षण कुछ दिनों में नहीं सुधरते हैं, या अगर वे बदतर हो जाते हैं, तो अपने डॉक्टर से जाँच करवायें।
- कुछ कृमिनाशक अन्य दवाओं पर परस्पर प्रभाव डाल सकते हैं। अपने डॉक्टर को उन दवाईयों के बारे में बताएँ जो आप ले रहे हैं, जिनमें ओवर-द-काउंटर दवाईयाँ शामिल हैं, ताकि वे तय कर सकें कि आपके लिए कृमिनाशक लेना सुरक्षित है या नहीं।
- अपने डॉक्टर को अपनी मेडिकल हिस्ट्री के बारे में बताएँ, क्योंकि कुछ बीमारियों में कुछ ख़ास सावधानी उपाय अपनाने की जरूरत पड़ सकती है।
- अपने डॉक्टर को सूचित करें कि आप गर्भवती हैं या स्तनपान करवा रही हैं, क्योंकि कुछ मुख से लेने वाले कृमिनाशक गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को नहीं लेने चाहिए।
- यदि आप किसी लक्षण या दुष्प्रभाव का अनुभव करें, या आपको कृमिनाशक से सम्बंधित संदेह है तो तुरंत चिकित्सा सलाह लें। आपका डॉक्टर आपके अनुसार दवाई पर पुनर्विचार कर सकता है।

कृमिनाशक का संग्रहण

कृमिनाशक को शुष्क और ठंडे स्थान में रखना चाहिए। अगर लेबल पर लिखा न हो तो, दवाईयों को फ्रिज में

नहीं रखा जाना चाहिए। इसके अलावा, बच्चों द्वारा दवाई निगलने की घटना से बचने के लिए दवाओं को बच्चो की पहुँच से दूर उचित तरीके से रखा जाना चाहिए।

आभार: औषधि कार्यालय प्रोफेशनल डेवलपमेंट और क्वालिटी ऐशोरेन्स (PD&QA) को इस लेख की तैयारी में उनके अमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद कहना चाहता है।

औषधि कार्यालय
स्वास्थ्य विभाग
दिसम्बर 2020